ONGC News, 14.11.2021 Print

ओएनजीसी ने 18,347 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ कमाया	Jansatta	10	Bureau

ओएनजीसी ने 18,347 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया

नई दिल्ली, 13 नवंबर (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आयल एंड नैचुरल गैस कारपोरेशन (ओएनजीसी) ने शुक्रवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही के दौरान उसने किसी भी भारतीय कंपनी के मुकाबले सर्वाधिक शुद्ध लाभ दर्ज किया है। कंपनी ने कहा कि निचले कर की व्यवस्था को अपनाने की वजह से उसे एकबारगी कर लाभ हुआ है, जिससे उसका मुनाफा ऊंचाई पर पहुंच गया है।

ओएनजीसी ने शेयर बाजार को बताया कि जुलाई-सितंबर के दौरान उसका शुद्ध लाभ 18,347.73 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 2,757.77 करोड़ रुपए था। यह देश में किसी भी कंपनी का अब तक का सर्वाधिक तिमाही शुद्ध लाभ है। कंपनी ने पूरे 2020-21 वित्त वर्ष में 11,246.44 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। इससे पहले इंडियन आयल कारपोरेशन (आईओसी) ने जनवरी-मार्च 2013 में 14,512.81 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में ओएनजीसी ने 22,682.48 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 3,254.35 करोड़ रुपए था।

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में तेल की ऊंची कीमतों और 8,541 करोड़ रुपए के एकमुश्त कर लाभ के चलते शुद्ध लाभ अधिक रहा। जम्मू-कश्मीर बैंक का शुद्ध लाभ दोगुना से ज्यादा : सार्वजनिक क्षेत्र के जम्मू-कश्मीर बैंक का सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 111.09 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 43.93 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़ कर 2,201.26 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 2,194.47 करोड़ रुपए थी। तिमाही के दौरान बैंक का डूबे कर्ज और अन्य आकस्मिक खर्चों के लिए प्रावधान घट कर 192.68 करोड़ रुपए रह गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 324.92 करोड़ रुपए था।

ओएनजीसी पर उत्पादन बढ़ाने का दबाव	Dainik Jagran	12	Bureau

ओएनजीसी पर उत्पादन बढ़ाने का दबाव

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : सरकारी पेट्रोलियम कंपनी ओएनजीसी ने सितंबर, 2021 को समाप्त तिमाही के लाभ में 565 प्रतिशत की रिकार्ड वृद्धि जरूर हासिल की है। लेकिन तेल व गैस उत्पादन में इस कंपनी का प्रदर्शन लगातार पिछड़ता जा रहा है। वर्ष 2017-18 से वर्ष 2019-20 तक कंपनी के क्रूड उत्पादन में लगातार गिरावट के बाद कोरोना काल में कंपनी का उत्पादन बढ़ा है, लेकिन अभी तक जो संकेत मिल रहे हैं उससे चालू वर्ष (2021-22) के दौरान 2.92 करोड़ टन का लक्ष्य हासिल होना भी मुश्किल लग रहा है। ऐसे में कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 तक चार करोड़ टन कच्चा तेल उत्पादन का जो लक्ष्य रखा है, उसको लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

ओएनजीसी के क्रूड यानी कच्चा तेल उत्पादन में पिछले कुछ वर्षों के दौरान उम्मीद के अनुसार वृद्धि नहीं होने की वजह से भी देश उत्पादन में निर्धारित लक्ष्य से दूर होता जा रहा है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 तक कच्चे तेल के आयात में 10 प्रतिशत की कमी करने का लक्ष्य रखा था। लोकसभा में पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा दिए गए उत्तर के अनुसार वर्ष 2017-18 में ओएनजीसी का क्रूड उत्पादन 2.23 करोड़ मीट्रिक टन था जो वर्ष 2019-20 में घट कर 2.07 करोड़ टन रह गया था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में क्रूड उत्पादन वित्त वर्ष 2011-12 में अपने 3.81 करोड़ टन के साथ सर्वकालिक उच्च स्तर पर रहा था। उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट का ही रुख बना हुआ है। दूसरी तरफ देश में आयातित क्रूड की मात्रा लगातार बढ़ती रही है। ऐसे में आयातित क्रूड पर निर्भरता मौजूदा 86 प्रतिशत से घटाकर वर्ष 2030 तक 50 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य भी दूर की कौड़ी नजर आता है।

इस तस्वीर को देखते हुए ही केंद्र सरकार ने ओएनजीसी को कह है कि वह तेल उत्पादन में निजी क्षेत्र की कंपनियों का ज्यादा सहयोग लेने पर विचार करे। सरकार चाहती है कि ओएनजीसी अपने सबसे बड़े तेल क्षेत्रों में निजी सेक्टर की कंपनियों को बड़ी हिस्सेदारी दे ताकि इनमें नए सिरे से निवेश हो सके और नई तकनीक लाई जा सके। हाल ही में पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तरफ से ओएनजीसी को इस बारे में पत्र भी लिखा गया है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव तरुण कपूर ने भी पिछले दिनों इस तरह के संकेत दिए थे। उनके अनुसार सरकार का यह स्पष्ट तौर पर मानना है कि ओएनजीसी को घरेलू तेल क्षेत्रों से उत्पादन बढ़ाने के लिए बहुत कुछ करना है। सरकार सुझाव दे सकती है, लेकिन अंतिम फैसला ओएनजीसी बोर्ड को ही करना है।

- रिकार्डतोड़ लाभ के बावजूद पिछले कुछ वर्षों से लगातार घट रहा कंपनी का उत्पादन
- चालू वर्ष के दौरान 2.92 करोड़ टन का उत्पादन लक्ष्य हासिल होना भी मुश्किल

18,347 करोड़ रुपये का रिकार्ड लाभ

नई दिल्ली, प्रेट : सरकारी पेट्रोलियम कंपनी आयल एंड नेचुरल गैस कारपोरेशन (ओएनजीसी) ने तिमाही लाभ के मामले में नया रिकार्ड स्थापित किया है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसे 18,347.73 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। यह देश में किसी भी कंपनी का रिकार्ड तिमाही लाभ है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 2,757.77 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। कंपनी ने वित्त वर्ष 2012-13 की आखिरी तिमाही (जनवरी-मार्च, 2013) में 14,512.81 करोड़ रुपये शुद्ध लाभ का तत्कालीन रिकार्ड बनाया था। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान कंपनी ने पिछले पूरे वित्त वर्ष के 11,246.44 करोड़ रुपये लाभ को पीछे छोड़ दिया है।

Domestic natural gas output rises	Financial Express	1	Bureau

GOOD YIELD

Domestic natural gas output rises

● 24.3% rise in production in October amid surging LNG cost

FE BUREAU
New Delhi, November 13

DOMESTIC NATURAL GAS production increased by 24.3% on year to 3,007 million standard cubic metre (mscm) in October, mainly due to higher production from RIL and from BP's ultra-deep-water field in the KG-D6 Block of the Krishna Godavari basin on the east coast. The output had fallen 8.1% Y-o-Y to 28,670.6 mscm in FY21, but had subsequently increased 21% Y-o-Y to 16,890.9 mscm in the April-September period of FY22.

Continued on Page 11

Imports shrink

- The output had fallen **8.1% y-o-y** to **28,670.6 mscm** in FY21, but had subsequently increased **21% y-o-y** to **16,890.9 mscm** in the April-September period of the ongoing fiscal
- Import dependency of natural gas has reduced from **54%** in April-September 2020 to **49%** in the corresponding period this year
- In the first 6 months of the fiscal, LNG import volumes fell **0.8%** on a Y-o-Y basis to **15,678 mscm**

Domestic natural gas output rises

Production also commenced on August 31 from state-run Oil and Natural Gas Corporation's (ONGC's) U1B deep-water gas well located in KG-DWN 98/2 block, which has an estimated peak production of 1.2 million standard cubic meter per day (mscmd).

The rise in domestic production coincided with a substantial jump in international liquefied natural gas (LNG) prices, resulting in import dependency of natural gas reducing from 54% in April-September, 2020 to 49% in the corresponding period this year. In the first six months of the fiscal, LNG import volumes fell 0.8% on a Y-o-Y basis to 15,678 mscm. However, the value of imports in the same time frame increased 71% YoY to $5.3 billion.

As *FE* recently reported, the Indian Gas Exchange achieved a record trading of 10.3 lakh million British thermal units (mBtu) of gas volumes in October, with the platform discovering prices lower than spot Asian LNG rates. Most of the trading was done through monthly contracts, which recorded transactions of 9.4 lakh mBTu in October. The monthly trade volume in October was more than the 7.7 lakh mBtu of gas traded in the first six months of the ongoing fiscal. The average price of monthly contracts in October discovered in the spot market was $27.6/mBtu, while Asian spot LNG rates ranged between $30-35/mBtu throughout the month.

Scooter buyers to go for electric as fuel costs rise	Millennium Post	7	Bureau

Scooter buyers to go for electric as fuel costs rise

Modi's statement of net-zero emission by 2070 at COP26 is also expected to inject new life into transition effort

NEW DELHI: The highest fuel prices in India's history are spurring efforts to shift the nation's ubiquitous motor scooters — which account for nearly 70 per cent of local gasoline consumption — to electric models, along with a new pledge to hit net-zero by 2070.

At current prices, even the most fuel-efficient two-wheeler guzzles gasoline worth more than Rs 100 for a 100-kilometer ride, while an e-scooter can run the same distance at less than a sixth of that cost.

Companies like Hero Electric Vehicles Pvt. and Ola Electric Mobility Pvt., a unit of India's biggest ride-hailing services provider Ola, are launching new two-wheelers priced around $1,000, roughly what the country's top-selling gasoline motorcycles and scooters cost.

With two-wheelers accounting for 80 per cent of vehicle sales in a country where public transportation is inadequate and cars are out of reach for most, the potential for growth in the electric segment is enormous: BloombergNEF expects electric motorcycles and scooters to account for 74 per cent of all such vehicles sold by 2040, up from less than 1 per cent now.

Prime Minister Narendra Modi's surprise announcement at the COP26 climate summit that the world's third-biggest carbon emitter will reach net-zero by 2070 is also expected to inject new life into the transition effort. "There is no denying the fact that the move to electric is inevitable for two-wheelers," said Varun Dubey, chief marketing officer of Ola Electric. "I don't think there is any convincing required to the consumer to switch to electric."

Still, sizable hurdles remain, like the lack of a nationwide charging infrastructure. Subsidies for consumers to switch to electric — 15,000 rupees ($202) per kilowatt-hour — are measly by global standards and there aren't special perks like in China, where electric scooters can use bicycle lanes. India's emissions goal will required trillions of dollars of investment and Modi's government has not made clear how it intends to raise the funds, besides saying that rich nations must do more. AGENCIES

24 घंटे बंद रहेंगे पेट्रोल पंप	Dainik Bhaskar	6	Bureau

24 घंटे बंद रहेंगे पेट्रोल पंप

गुड़गांव |ऑल हरियाणा पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने 15 नवंबर को 24 घंटे पेट्रोल पंप बंद का आह्वान किया है। जिसके तहत 15 नवंबर सुबह 6 से 16 नवंबर सुबह 6 बजे तक पेट्रोल और डीजल नहीं मिलेगा। एसोसिएशन की ओर से मांग की जा रही है कि हरियाणा में पेट्रोल एवं डीजल पर लगने वाले वैट को घटाकर पंजाब राज्य के घटे हुए वैट के बराबर कर दिया जाए।